SOURCE: The Economic Times (Hindi)

ग्रामीणों की आमदनी में पांच साल में हुई 57% की बढ़ोतरी, नाबार्ड सर्वे मे हुए ये भी खुलासे

URL: https://hindi.economictimes.com/news/57-percent-increase-in-income-of-villagers-in-five-years-nabard-survey-also-made-revelations/articleshow/114115780.cms

नई दिल्ली: गांवों में रहनेवाले परिवारों की आमदनी में लगातार वृद्धि हो रही है. राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के एक सर्वेक्षण के अनुसार, पिछलेपांच वर्षों मेंग्रामीण परिवारों की औसत मासिक आमदनी में 57.6 फीसदी का इजाफा हुआ है. नाबार्ड के 'अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वेक्षण (NAFIS) 2021-22' में बताया गया हैकि 2016-17 मेंगांव वालों की औसत मासिक आमदनी 8,059 रुपयेथी जो अब बढ़कर 12,698 रुपयेहो गई है. यह वृद्धि 57.6 प्रतिशत को दर्शाती है, जो कि 9.5 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) के बराबर है. सर्वेक्षण में यह भी उल्लेख किया गया हैकि ग्रामीण परिवारों की बचत मेंभी वृद्धि हुई है. 2021-22 में औसत घरेलू बचत 13,209 रुपयेसालाना रही, जबकि पांच साल पहले यह 9,104 रुपयेथी. इस अवधि के दौरान 66 प्रतिशत परिवारों ने बचत की सूचना दी जो कि 2016-17 में 50.6 प्रतिशत थी. यह दर्शाता हैकि ग्रामीण क्षेत्र मेंवित्तीय साक्षरता और बचत की प्रवृत्ति मेंसुधार हो रहा है. हालांकि बकाया ऋण वाले परिवारों का अनुपात भी बढ़ा है. पांच वर्षों में यह अनुपात 47.4 प्रतिशत से बढ़कर 52 प्रतिशत हो गया है. सर्वेक्षण में यह पाया गया कि ग्रामीण परिवारों मेंबीमा कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. 2016-17 में कम से कम एक सदस्य का बीमा करानेवाले परिवारों का अनुपात 25.5 प्रतिशत था, जो 2021-22 में बढ़कर 80.3 प्रतिशत हो गया. यह कोविड-19 के बाद ग्रामीण क्षेत्रों मेंवित्तीय सेवाओं की पहुंच मेंसुधार को दर्शाता है.